कॉर्पोरेट ऋण बाजार विकास निधि (सीडीएमडीएफ)

सन्दर्भ:

- हाल ही में, सेबी ने 3,000 करोड़ रुपये के प्रारंभिक कोष के साथ AIF के रूप में एक कॉर्पोरेट ऋण बाजार विकास कोष स्थापित करने का निर्णय लिया।

मुख्य विशेषताएं:

- यह तनाव के समय या बाजार अव्यवस्था के मामले में निवेश ग्रेड कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियों की खरीद के लिए बैकस्टॉप सुविधा के रूप में कार्य करेगा।
- इसका उद्देश्य कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में विश्वास पैदा करना और द्वितीयक बाजार में तरलता को बढ़ावा देना है।
- सरकार ने इस कोष के 10 गुना उपयोग की भी अनुमति दी है। यह उपलब्ध फंड को 33,000 करोड़ रुपये तक ले जाता हैइस अतिरिक्त कोष की गारंटी केंद्रीय ऋण गारंटी निगम द्वारा भी दी गई है।
- सीडीएमडीएफ, नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट कंपनी (एनसीजीटीसी) द्वारा प्रदान की जाने वाली गारंटी के आधार पर, बाजार अव्यवस्था के दौरान कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियों की खरीद के लिए धन जुटा सकता है।
- विशिष्ट म्युचुअल फंड योजनाओं के पास बाजार अव्यवस्था के दौरान प्रतिभूतियों को बेचने के लिए फंड तक पहुंच होगी।
- यह पहुंच म्युचुअल फंड स्तर पर फंड में किए गए योगदान के अनुपात में है।

बैकस्टॉप सुविधा:

- "बैकस्टॉप" की परिभाषा किसी चीज़ का समर्थन

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)

- यह भारत सरकार के स्वामित्व वाला और भारत में प्रतिभूति और वित्त का नियामक बोर्ड है।
- इसका गठन1988 में किया गया था और सेबी अधिनियम, 1992 के माध्यम से इसे वैधानिक दर्जा दिया गया था।
- सेबी तीन समूहों की जरूरतों के लिए जिम्मेदार है:
    - प्रतिभूतियों के जारीकर्ता।
    - निवेशक।
    - बाजार मध्यस्थ।
- कार्य:
    - अर्ध-विधायी - मसौदा नियम तैयार करना।
    - अर्ध-न्यायिक - निर्णय और आदेश पारित करना।
    - अर्ध-कार्यकारी - जांच और प्रवर्तन करके कार्रवाई करना।
- शक्तियां :
    - प्रतिभूति एक्सचेंजों के उपनियमों को मंजूरी देना।
    - सिक्योरिटीज एक्सचेंज को अपने उपनियमों में संशोधित कर सकती है।
    - खातों की पुस्तकों का निरीक्षण कर मान्यता प्राप्त प्रतिभूति एक्सचेंजों से आवधिक रिटर्न के लिए कॉल करना।
    - वित्तीय मध्यस्थों के खातों की पुस्तकों का निरीक्षण कर सकती है।

करने या उसे मजबूत करने का संकेत देती है। • शेयर बाजार में बैकस्टॉप एक वित्तीय व्यवस्था है जिसके लिए वित्त का द्वितीयक स्रोत स्थापित करने की तब आवश्यकता होती है,जब धन का प्राथमिक स्रोत वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है। • यह धन चाहने वालों के लिए समर्थन का बेहतरउपाय है। • बैकस्टॉप प्रदाता जोखिम उठाता है और इस प्रकार निधि आवश्यकताओं की अनिश्चितताओं को कम करता है। • यह बीमा पॉलिसी के समान कार्य करता है, क्योंकि यह धन के स्रोत की कमी की आवश्यकता को पूरा करता है।	• कुछ कंपनियों को एक या अधिक प्रतिभूति एक्सचेंजों में अपने शेयरों को सूचीबद्ध करने के लिए बाध्य कर सकती है। • दलालों (Brokers) और उप-दलालों (sub-brokers)का पंजीकरण। • **अपीलें:** सेबी और स्टॉक एक्सचेंजों के आदेशों के खिलाफ अपील,अपीलीय न्यायाधिकरण तीन सदस्यों वाले प्रतिभूति (एसएटी) में की जा सकती है। • SAT से उच्चतम न्यायालय में अपील की जा सकती है।

संक्षिप्त सुर्खियां

पाकिस्तान में मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों पर अंकुश लगाने वाला विधेयक

सन्दर्भ:

- पाकिस्तानकीनेशनलअसेंबलीनेएकविधेयकपारितकियाहैजिसकाउद्देश्यमुख्यन्यायाधीशकीविवेकाधीनशक्तियोंकोकमकरनाहै।

मुख्य विशेषताएं:

- इस विधेयक में तीन महत्वपूर्ण प्रावधान हैं:
  - मुख्य न्यायाधीश के बजाय केवल एक समिति तय करेगी कि कौन से मामले स्वत: संज्ञान में लिए जा सकते हैं;
  - इन मामलों की सुनवाई के लिए बेंच भी शीर्ष न्यायाधीश के बजाय समिति द्वारा तय की जाएगी;
  - ऐसे मामलों में किए गए निर्णय पर अपील की जा सकेगी।
- इस विधेयकनेपाकिस्तानमेंन्यायपालिकाकीस्वतंत्रताकेलिएइसकेनिहितार्थोंकेबारेमेंकानूनीविशेषज्ञोंकेबीचचिंतापैदाकरदीहै।

	• इस विधेयक का उस समय पारित होना,जब पाकिस्तान बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता के साथ,आर्थिक, सुरक्षा और शासन की चुनौतियों का सामना कर रहा है। • इस विधेयक ने अंतर्राष्ट्रीय ध्यान भी आकर्षित किया है तथाकुछ मानवाधिकार संगठनों और लोकतांत्रिक सरकारों ने पाकिस्तान में कानून के शासन और लोकतांत्रिक शासन के लिए इसके निहितार्थों के बारे में चिंता व्यक्त की है।
यूक्रेन के लिए 5.6 बिलियन डॉलर का सहायता पैकेज	**सन्दर्भ:** • अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने संघर्ष-ग्रस्त देश यूक्रेन की आर्थिक सुधार में सहायता के लिए $15.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के समर्थन पैकेज को मंजूरी दी है। **मुख्य विशेषताएं:** • यह ऋण 115 बिलियन अमेरिकी डॉलर के व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन पैकेज का हिस्सा है, जो देश की तत्काल धन की जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है। • आईएमएफ द्वारा स्वीकृत कुल राशि में से 2.7 बिलियन डॉलर यूक्रेन को तुरंत उपलब्ध कराया जा रहा है और शेष धनराशि अगले चार वर्षों में जारी की जाएगी। **विस्तारित निधि सुविधा(Extended Fund Facility):** • विस्तारित फंड सुविधा, युद्ध में शामिल देश के लिए आईएमएफ द्वारा अनुमोदित पहला प्रमुख वित्तपोषण कार्यक्रम है। • यह समर्थन पैकेज गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे देशों को प्रदान किया जाता है। • EFF को देश के आर्थिक सुधार कार्यक्रम का समर्थन करने और अन्य IMF वित्तपोषण कार्यक्रमों की तुलना में लंबी अवधि के लिए धन उपलब्ध कराने के लिए स्थापित किया गया है। • EFFएक मध्यम अवधि का कार्यक्रम है जो तीन से चार वर्षों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है तथा इसका पुनर्भुगतानआमतौर पर चार से दस वर्षों की अवधि के लिए देय होता है। • यहकार्यक्रम किसी देश की आर्थिक नीतियों को लागू करने में मदद करने के लिए स्थापित किया गया है जो उनकी भुगतान संतुलन की समस्याओं को दूर करने और स्थायी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करेगा। • EFF के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए, एक देश को यह प्रदर्शित करना चाहिए कि उसके पास एक स्थायी आर्थिक सुधार कार्यक्रम है जो भुगतान संतुलन की समस्याओं के अंतर्निहित कारणों को प्रभावी बनाता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 \| LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 \| RAJENDRA NAGAR: 9205274743 \| UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 \| LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 \| LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 \| GREATER NOIDA: 9205336037, 38 \| KANPUR: 7887003962, 7897003962 \| GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 \| ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- IMF नियमित रूप से किसी देश के कार्यक्रम की समीक्षा करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह ट्रैक पर बना रहेऔर वित्तीय सहायता का वितरण देश द्वारा कार्यक्रम के निरंतर कार्यान्वयन पर प्रभावी हो।

प्रतियोगिता (संशोधन) विधेयक, 2023

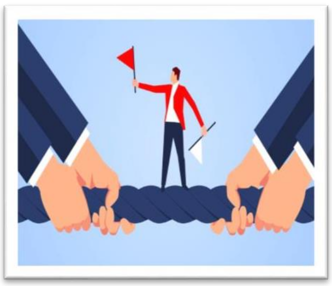

सन्दर्भ:

- प्रतिस्पर्धा (संशोधन) विधेयक, 2023 को लोकसभा ने प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2022 में संशोधन करते हुए पारित कर दिया है।

मुख्य विशेषताएं:

- संशोधित कानून में प्रमुख बदलावों में से एक यह है कि यह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) को उन संस्थाओं को दंडित करने की क्षमता प्रदान करता है, जो सभी वस्तुओं और सेवाओं से प्राप्त वैश्विक टर्नओवर के आधार पर प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार में लिप्त पाई जाती हैं।
- यह प्रावधान बड़ी टेक कंपनियों के लिए एक चुनौती पेश कर सकता है क्योंकि भारतीय परिचालनों से अर्जित उनका राजस्व आम तौर पर अन्य क्षेत्रों से उनकी आय से कम होता है।
- कुल टर्नओवर पर विचार करने से अनुचित परिणाम हो सकते हैं और उन उद्यमों के बीच भेदभाव हो सकता है जो एक समान उल्लंघन करते हैं लेकिन उनके व्यवसाय के विस्तार के आधार पर अलग तरह से दंडित किया जाता है।
- इस विधेयक के अनुसार, यदि सौदा मूल्य 2000 करोड़ रुपये से अधिक है और यदि दोनों कंपनियों (अधिग्रहण और लक्ष्य) का देश में पर्याप्त व्यावसायिक संचालन है, तो संस्थाओं को CCI से अनुमोदन प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।
- CCIद्वाराचल रही कार्टेल जांच में पार्टियों को अन्य कार्टेल के मामले में जानकारी का खुलासा करने के लिए कम दंड के रूप में प्रोत्साहित किया जा सकता है।

प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार क्या है?

- गैर-प्रतिस्पर्धी व्यवहार उन फर्मों द्वारा की गई कार्रवाइयों को संदर्भित करता है जो बाजार में प्रतिस्पर्धा को विकृत या कमजोर करती हैं।
- इस तरह का व्यवहार प्रतिस्पर्धा को कम करके उपभोक्ताओं, अन्य व्यवसायों और समग्र अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकता है और उच्च कीमतों, उत्पाद की गुणवत्ता में कमी और नवाचार में कमी ला सकता है।
- प्रतिस्पर्धा-रोधी व्यवहार के कुछ उदाहरणों में शामिल हैं:
    - **मूल्य-निर्धारण:** जब कंपनियां एक निश्चित स्तर पर कीमतें निर्धारित करने

	के लिए सहमत होती हैं, तो इससे प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है और उपभोक्ताओं को नुकसान होता है। ○ **बाजार आवंटन:** जब कंपनियां बाजारों या ग्राहकों को विभाजित करने के लिए सहमत होती हैं, तो यह प्रतिस्पर्धा को सीमित करता है और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचाता है। ○ **एक्सक्लूसिव डीलिंग:** जब किसी फर्म को अपने ग्राहकों या आपूर्तिकर्ताओं के साथ केवल डील करने की आवश्यकता होती है, तो यह प्रतिस्पर्धा को सीमित कर सकता है और अन्य व्यवसायों को नुकसान पहुंचा सकता है।
भारत की पहली क्लोन फीमेल काल्फ़ 	**सन्दर्भ:** • हाल ही में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई), करनाल में देसी नस्ल गिर ने'गंगा' नामक भारत की पहली क्लोन मादा बछिया का उत्पादन किया है। **मुख्य विशेषताएं:** • गिर, साहीवाल, थारपारकर, और रेड-सिंधी भारत में देशी गाय की नस्लें हैं जो दूध उत्पादन और भारतीय डेयरी उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। • इनमें से, गिर गाय अन्य गाय की अपेक्षा स्थितियों के प्रति सहनशीलता और विभिन्न उष्णकटिबंधीय रोगों के प्रतिरोध के लिए प्रसिद्ध है। • क्लोन गिर मादा बछिया प्रति दिन 15 लीटर से अधिक दूध का उत्पादन कर सकती है, जिसमें दूध उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता है। • एनडीआरआई ने उत्तराखंड पशुधन विकास बोर्ड के साथ मिलकर गिर, लाल सिंधी और साहीवाल नस्लों जैसी उच्च उपज वाली देसी नस्लों का क्लोन तैयार किया। • अल्ट्रासाउंड-निर्देशित सुइयों का उपयोग करके जीवित जानवरों से अंडाणुओं को अलग करके गिर का क्लोन बनाया गया था। • गिर मवेशी कठोर होते हैं जिन्हें ज़ेबू गायों के विकास के लिए ब्राजील, संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और वेनेजुएला को निर्यात किया गया है। **महत्व:** • गिर मवेशियों का दुनिया भर में निर्यात इस नस्ल की लोकप्रियता बढ़ाने और डेयरी उद्योग में भारत की स्थिति को मजबूत करने में मदद कर सकता है। • यह पशु विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे भारत के डेयरी उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

बेडाक्वीलिन

सन्दर्भ:

- भारत में पेटेंट कार्यालय ने जॉनसन एंड जॉनसन की टीबी दवा बेडक्वीलाइन के प्रयास को खारिज कर दिया, जिसका उपयोग दवा प्रतिरोधी संक्रमण वाले लोगों के इलाज के लिए किया जाता है।

मुख्य विशेषताएं:

- इस साल जुलाई में इसका प्राथमिक पेटेंट समाप्त होने के बाद इस निर्णय ने इस श्रेणी की दवा को अगले चार वर्षों के लिए पेटेंट होने से रोक दिया।
- इस फैसले का विशेषज्ञों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों ने स्वागत किया क्योंकि जेनेरिक संस्करणों से दवा की कीमत कम होने और पहुंच में सुधार होने की संभावना है।

बेडाक्वीलिन:

- 40 साल के बाद 2012 में, बेडाक्वीलाइन उपलब्ध होने वाली पहली नई टीबी थेरेपी बन गई।
- इसकी पहली दवा 2015 में सरकार के टीबी कार्यक्रम के तहत भारत में उपलब्ध हुई।
- बेडाक्वीलिनदवा, तपेदिक के लिए उपलब्ध सबसे प्रभावी उपचारों में से एक माना जाता है।
- कैनामाइसिन जैसी मौजूदा दवाओं की तुलना में इसके न्यूनतम दुष्प्रभाव हैंजो गुर्दे की क्षति और स्थायी हानि का कारण बन सकता है।
- इस दवा ने ऐसे प्रतिरोधी टीबी के उपचार के छोटे-छोटे कोर्स के विकास को भी प्रभावित किया जो दो साल के कोर्स को आधा करने से भी ज्यादानौ महीने से एक साल तक प्रभावी बनाता है।
- यह कनामाइसिन या स्ट्रेप्टोमाइसिन के विपरीत एक दवा है।
- इसका एक छोटा-सा कोर्स, सभी-मौखिक दवा से लोगों के अपना इलाज पूरा करने और दवा प्रतिरोधी टीबी के अधिक मामलों को रोकने की संभावना बढ़ जाती है।

पीजोइलेक्ट्रिक प्रभाव

सन्दर्भ:

- पहली बार, वैज्ञानिकों ने तरल पदार्थों में पीजोइलेक्ट्रिक प्रभाव के साक्ष्य की पुष्टि की है।

मुख्य विशेषताएं:

- पीजोइलेक्ट्रिकप्रभाव 143 वर्षों से ज्ञात है, लेकिन इसे केवल ठोस पदार्थों में देखा जाता रहा है।
- नई खोज उस सिद्धांत को चुनौती देती है जो इस प्रभाव का वर्णन करता है और साथ ही इलेक्ट्रॉनिक और मैकेनिकल सिस्टम में पहले से अभूतपूर्व अनुप्रयोगों के लिए द्वार खोलता है।

पीजोइलेक्ट्रिक प्रभाव:

- पीजोइलेक्ट्रिक प्रभाव की खोज 1880 में क्वाट्र्ज में की गई थी।
- पीजोइलेक्ट्रिक प्रभाव में, किसी पदार्थ को निचोड़ने पर एक विद्युत प्रवाह विकसित होता है।
- क्वाट्र्ज सबसे प्रसिद्ध पीजोइलेक्ट्रिक क्रिस्टल है।यह इस क्षमता में एनालॉग कलाई घड़ी और घड़ियों में उपयोग किया जाता है। ऐसे क्रिस्टल का उपयोग सिगरेट लाइटर, इलेक्ट्रिक गिटार, टीवी रिमोट कंट्रोल, ऑडियो ट्रांसड्यूसर और अन्य उपकरणों में भी किया जाता है जहां यांत्रिक तनाव को विद्युत धारामें परिवर्तित करना उपयोगी होता है।
- **क्वाट्र्ज:** क्वाट्र्ज सिलिकॉन डाइऑक्साइड (SiO_2) है।
- क्वाट्र्ज क्रिस्टल में तीन तरफा पिरामिड के चार शीर्षों पर सिलिकॉन और ऑक्सीजन परमाणु होते हैं; प्रत्येक ऑक्सीजन परमाणु को दो पिरामिडों द्वारा साझा किया जाता है। ये पिरामिड क्रिस्टल बनाने के लिए खुद को दोहराते हैं।
- प्रत्येक पिरामिड का प्रभावी आवेश केंद्र से थोड़ा दूर स्थित होता है।
- जब एक यांत्रिक तनाव लागू किया जाता है अर्थात जब क्रिस्टल को निचोड़ा जाता है तब चार्ज की स्थिति को केंद्र से आगे धकेल दिया जाता है, जिससे एक छोटा वोल्टेज उत्पन्न होता है जो प्रभाव का स्रोत होता है।

वैकोम सत्याग्रह

सन्दर्भ:

- केरल तमिलनाडु के मुख्यमंत्री शनिवार (1 अप्रैल, 2023) को वैकोम सत्याग्रह के शताब्दी समारोह का उद्घाटन करेंगे।

मुख्य विशेषताएं:

- 30 मार्च 1924 को, त्रावणकोर (केरल) की रियासत के मंदिर शहर वैकोम में, एक अहिंसक आंदोलन शुरू हुआ, जिसने देश भर में " मंदिर प्रवेश आंदोलनों " की शुरुआत को चिह्नित किया।
- उस समय, त्रावणकोर में प्रलेखित सबसे कठोर और अमानवीय कार्यो के साथ, पूरे

	भारत में जातिगत भेदभाव और अस्पृश्यता व्याप्त थी। • एझावा और पुलाय जैसी निचली जातियों को अपवित्र माना जाता था और उन्हें ऊंची जातियों से दूर करने के लिए कई नियम बनाए गए थे। • इनमें केवल मंदिर में प्रवेश पर ही नहीं, बल्कि मंदिरों के आसपास की सड़कों पर चलने का भी प्रतिबंध शामिल था। • वैकोम सत्याग्रह इसी प्रतिबंध के विरोध में चलाया गया। • गांधीजी, चतमपी स्वामीकल, श्री नारायण गुरु और ई वी रामास्वामी नायकर (पेरियार) ने इस आंदोलन का समर्थन किया। • इसके नेता के पी केशव मेनन और टी के माधवन थे। • इसका प्रभाव यह हुआ कि23 नवंबर 1925 को पूर्वी द्वार को छोड़कर मंदिर के सभी द्वार हिंदुओं के लिए खोल दिए गए। • 1928 में, पिछड़ी जातियों को त्रावणकोर के सभी मंदिरों की ओर जाने वाली सार्वजनिक सड़कों पर चलने का अधिकार मिला।

स्काई कैनवस प्रोजेक्ट
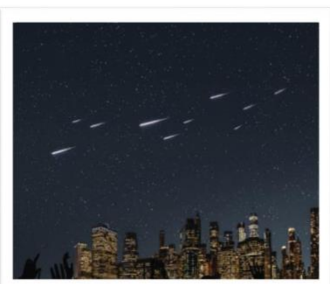
	सन्दर्भ:
	• एक रिपोर्ट के मुताबिक, टोक्यो स्थित एएलई 2025 में उपग्रह लॉन्च करने के लिए तैयार है और यह दुनिया भर के लोगों को "दुनिया का पहला लाइव मानव निर्मित उल्का बौछार देखने का अवसर" देने की उम्मीद करता है।
	
	मुख्य विशेषताएं:
	• परियोजना को स्काई कैनवस कहा जाता है जिसे मेसोस्फीयर(जो वायुमंडल की तीसरी परत है) में वायुमंडलीय डेटा एकत्र करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
	• मेसोस्फीयर उपग्रहों द्वारा देखे जाने के लिए बहुत कम और मौसम , बादल या विमानों के लिए बहुत अधिक उपयोगी है।
	• इस उपग्रह को शुरू में 2020 में लॉन्च किया जाना था लेकिन कुछ तकनीकी रूकावट के कारण इसके लॉन्च में देरी हुई।
	• **तंत्र:** एएलई धातु "शूटिंग स्टार" कणों का उपयोग करके प्राकृतिक उल्का वर्षा के प्रभाव को पुन: उत्पन्न करने की प्रयत्न करता है जो लगभग 1 सेंटीमीटर आकार का होता है।
	  ○ इन उल्का बौछार को छोटे उपग्रहों द्वारा ग्रह से लगभग 400 किलोमीटर ऊपर एक निम्न-पृथ्वी की कक्षा में ले जाया जाएगा।
	  ○ एक बार उपग्रहों की कक्षा स्थिर हो जाने पर, वे कणों को छोड़ देंगे।
	  ○ इसके बाद कण 60 से 80 किलोमीटर की ऊंचाई पर वायुमंडल में प्रवेश

	करने से पहले ग्रह के एक हिस्से के चारों ओर घूमेंगे। • **उल्का बौछार:** एक प्राकृतिक उल्का वर्षा तब होती है जब हमारा ग्रह किसी धूमकेतु या क्षुद्रग्रह द्वारा छोड़े गए मलबे के निशान से होकर गुजरता है। ○ येउल्का चट्टानों और बर्फ के टुकड़े होते हैं जो धूमकेतुओं द्वारा सूर्य की परिक्रमा करते समय उत्सर्जित होते हैं।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare